

डा० हेमलता ढोंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग:

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में विभागीय भवनों की मरम्मत के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी स्थित एक्सपिडीशन हॉस्टल की बॉउण्ड्रीवाल, गैराज एवं अन्य मरम्मत कार्य हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शारणादेश संख्या-710/VI/2007-51(पर्यट)2003, दिनांक 5 सितम्बर, 2007 तथा आपके पत्र संख्या-482/2-6-652/2008, दिनांक 11 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2007-08 में विभागीय भवनों की मरम्मत के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी स्थित एक्सपिडीशन हॉस्टल की बॉउण्ड्रीवाल, गैराज एवं अन्य मरम्मत कार्य हेतु रु० 16.34 लाख के आगणनों पर तकनीकी प्रकोष्ठ द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत धनराशि रु० 15.44 लाख (रुपये पन्द्रह लाख ब्यालिस हजार मात्र) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ रु० 10.00 लाख की धनराशि आपके निर्वहन पर रखी गयी धनराशि में से व्यय करने की सहमति स्वीकृति निम्नवत प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व रजतम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शारणादेशों में उल्लिखित निर्देशों का ब्याझाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधिक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा नरें शेड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा माजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधिक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरांत ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार रजतम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार रजतम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।

7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।

9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व रजतम की किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।

10- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पूँजीगत परिव्यय-80-रजमान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-48-विभागीय भवनों की मरम्मत-24-बृहत निर्माण कार्य मद के नामों के अन्तर्गत किया जायेगा।

कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

संख्या-316 /VI/2008-2(8)2008 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 5- निजी सचिव, मा10 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निजी सचिव, मा10 पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- वित्त अनुभाग-2,
- 10- श्री एल0एम0पन्ना, अपर सचिव वित्त।
- 11- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तरकाशी।
- 13- सि0एम0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 14- प्रपगार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।